CLASS – 12TH

अंतराष्ट्रीय संगठन

परिचय - सयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का मुख्य उद्देश्य विश्व मैं शांति सुरक्षा एवं विकास को बनाये रखना है।

20 वी सताब्दी को लोकतन्त्र व सामजवाद के अलावा अंतर्राष्ट्रवाद का युग माना जाता है । प्रथम विश्व युद्ध (1914 -18) के बाद अमेरिकी रास्ट्रियपति वुडरो विल्सन के प्रयासो से राष्ट्र संघ बन जिसे बना लीग ऑफ़ नेशंस जनवरी 1920 मैं इसकी स्थापना की गयी थी इसे ही विश्व का प्रथम संघटन माना जाता है यह संघटन द्वितीय विश्वयुद्ध 1939-45 को रोकने मैं असफल रहा राष्ट्र संघ के असफल होने के पीछे मुख्य कारण सदस्य देशों जापान, अमेरिका, जर्मनी द्वारा मनमानी करना था।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान विश्व के प्रमुख नेताओं व विचारकों ने यह अवधारणा बना ली की मित्र राष्ट्रों के विजय के बाद नया अंतरास्ट्रीय संगठन बनाया जाना चाहिए जो राष्ट्र संघ से अधिक शक्तिशाली हो साथ ही यह भी ध्यान में था की अब विश्व युद्ध न होने पाए जिस प्रकार प्रथम विश्व युद्ध के बाद तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन के विशेष प्रयासों के कारण राष्ट्र संघ बना उसी प्रकार 1940 के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रेंकलिन डी रूजवेल्ट के प्रयासों ने इस नए संघटन को जन्म दिया उन्होंने ही सयुक्त राष्ट्र पदबंध की स्थापना की।

चार्टर की रचना - जून 1941 में जर्मनी का सोवियत संघ पर आक्रमण फिर दिसंबर 1941 में जापान के पर्ल हारबर के नौ सैनिक अड्डे पर बमबारी अर्थात अमेरिका पर प्रहार ने द्वितीय विश्व युद्ध की दिशा बदल दी उसने ब्रिटने सोवियत संघ व अमेरिका का त्रिगुट पैदा किया जिस ने मित्र राष्ट्रों (Allied Nations) का नाम धारण किया।

ब्रिटिश प्रधान मंत्री चर्चिल सोवियत संघ के राष्ट्रपति स्टालिन तथा अमेरिकी राष्ट्रपति रूज़वेल्ट विश्व के महा नायक हो गए । समय समय पर उन्होंने परस्पर वार्ताए की तथा अपनी घोषणाएं जारी की जिन में भविष्य में अंतरास्ट्रीय संघटन बनाने की तीव्र इच्छा प्रकट किपी गयी इसके लिए कई चार्टर एवं सम्मेलनों का आयोजन किया गया को निम्नवत है -

1. **अटलांटिक चार्टर** - 14 अगस्त 1941 को चर्चिल व रूज़वेल्ट ने इस प्रपत्र पर हस्ताक्षर किये जिस में कहा गया है कि किसी प्रकार से प्रादेशिक अपहरण न हो, सम्बंधित लोगों की मुक्त इच्छा के विरुद्ध कोई प्रादेशिक अपहरण न हो सभी राष्ट्रों को अपनी इच्छा अनुसार शासन चुनने का अधिकार हो इस चार्टर मैं यह प्रमुख बातें शामिल थीं ।

2. **सयुक्त राष्ट्र संघ की घोषणा** - 1 जनवरी 1942 अमेरिकी राष्ट्रपति रूज़वेल्ट, ब्रिटिश प्रधानमंत्री चर्चिल, सोवियत प्रतिनिधि लिटिविनोव व चीन के प्रतिनिधि सुंग ने इस घोषणा पर

हस्ताक्षर किये शांति स्थापना इसका मुख्य उद्देश्य था। इसी समय सयुक्त राष्ट्रीय पदबंध प्रचलन में आया।

3. **मास्को सम्मलेन** - अक्टूबर नवंबर 1943 में होने वाले इस सम्मलेन में अमेरिका, ब्रिटेन, सोवियत संघ व चीन के विदेश मंत्रियों ने इसमें भाग लिया यह विश्वास व्यक्त किया गया की शांति एवं सुरक्षा बनाये रखने में अपना प्रयास जारी रखेंगे।

4. **तेहरान सम्मलेन** - इसका उद्देश्य भी एक संघटन बनाने का था जो विश्व में शांति ला सके इसमें अमेरिक सोवियत संघ और ब्रिटेन के प्रतिनिधि शामिल हुए।

5. **डम्बर्टन ओक्स सम्मलेन** - 7 अक्टूबर 1944 में इसमें सयुक्त राष्ट्र संघ का प्रारूप तैयार हुआ इसमें कहा गया की चार मुख्य अंग महासभा, सुरक्षा परिषद, अंतरास्ट्रीय न्यायालय व स्थाई सचिवालय हो साथ ही शांति सेना का पहली बार इस सम्मलेन मैं प्रस्ताव आया।

6. **याल्टा सम्मलेन** - फरवरी 1945 में याल्टा में रूज़वेल्ट, चर्चिल तथा स्टालिन के बीच बातचीत हुई इसमें सुरक्षा परिषद की कार्य प्रणाली मतदान पर चर्चा हुई यही पर वीटो शक्ति के प्रावधान को स्वीकार किया गया जो महा शक्तिओं की एकता का प्रतीक होगा।

7. **सैन फ्रांसिस्को सम्मेलन** - 25 अप्रैल से 26 जून 1945 तक यह सम्मलेन हुआ इसमें 50 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया कई मुद्दों पर चर्चा हुई अंततः 26 जून 1945 को 50 देशों के प्रतिनिधिओं ने दश हजार शब्द, 19 अध्याय और 111 अनुच्छेद वाले चार्टर पर हस्ताक्षर किये इसी में पांच अध्याय व सत्तर अनुच्छेद वाला अंतरास्ट्रीय न्यायालय का विधान भी जोड़ा गया। 51 देशों ने इस चार्टर की पुष्टि कर दीं जिसके परिणाम स्वरुप 24 अक्टूबर 1945 यह नया अंतरास्ट्रीय संघ अस्तित्व में आया।

सयुक्त राष्ट संघ के अंग - इसके 6 प्रमुख अंग है -

1. महासभा
2. सुरक्षा परिषद
3. आर्थिक एवं सामाजिक परिषद
4. न्यासी परिषद
5. अंतरास्ट्रीय न्यायालय
6. सचिवालय

1. **महासभा (General Assembly)** - यह सयुंक्त राष्ट्र का सबसे बड़ा अंग है इसे विश्व की व्यवस्थापिका भी कहा जाता है इसमें प्रत्येक देश को समानता के आधार पर स्थान प्राप्त है। हर सदस्य राज्य को एक वोट का अधिकार है हर देश अधिक से अधिक पांच प्रतिनिधि भेज

सकता है। इसका सत्र हर वर्ष सितम्बर के तीसरे मंगलवार से शुरू होता है जो लगभग तीन महीने चलता है सुरक्षा परिषद यह अपने सदस्यों के बहुमत के आधार पर इसका असाधारण सत्र किसी भी समय बुलाया जा सकता है सभा अपने में से एक अध्यक्ष चुनती है जिसका कार्यकाल एक वर्ष का होता है ।

<u>कार्य</u> –

1. अंतरास्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को बनाये रखने हेतु सहयोग के सामन्य सूत्रों पर विचार करना।

2. सामान्य कल्याण या राष्ट्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देना।

3. न्याशी परिषद के सदस्यों का चुनाव करना तथा न्यासी संधियों की स्वीकृति देना, न्यासी परिषद की रिपोर्ट पर विचार करना ।

4. सुरक्षा परिषद के 10 अस्थायी सदस्यों, आर्थिक एवं सामाजिक के 54 सदस्यों तथा अंतरास्ट्रीय न्यायालय के 15 जजों का निर्वाचन करना, सुरक्षा परिसद की सिफारिशों के आधार पर महासचिव को नियुक्ति करना।

<u>नोट</u> -

(i) महासभा के वर्तमान अध्यक्ष पीटर थॉमसन,

(ii) भारत को अध्यक्ष बनने वाली पहली महिला - श्रीमती विजयलक्ष्मी पंडित

(iii) महासभा की वर्तमान बैठक - बहत्तरवीं बैठक सितम्बर 2017 में हुई

2. **<u>सुरक्षा परिषद</u>** - यह सयुंक्त राष्ट्र संघ का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। इसे विश्व कार्यपालिका का दर्जा प्राप्त है सुरक्षा परिषद सयुंक्त राष्ट्र संघ का सबसे अधिक शक्तिशाली एवं प्रभावशाली अंग है सुरक्षा परिषद को दुनिया का पुलिसमैन भी कहा जाता।

इसमें पांच स्थाई सदस्य तथा दश अस्थाई सदस्य है पांच स्थाई सदस्यों में सयुक्त राज्य अमेरिका, ग्रेट ब्रिटने, फ्रांस, रूस व चीन है दश अस्थाई सदस्यों को महासभा दो वर्ष के लिए चुनती है किसी भी वाद के समर्थन के लिए 9 सदस्यों को सहमति आवश्यक है।
पांच स्थाई सदस्यों के पास वीटो पावर (निषेधात्मक) शक्ति भी है।

<u>नोट</u> -

1. सबसे पहले वीटो पावर का प्रयोग अमेरिका ने मार्च 1971 में रोडेशिया के प्रश्न पर किया था।

2. सबसे ज्यादा वीटो का प्रयोग सोवियत संघ (रूस) ने किया था ।

3. **<u>आर्थिक एवं सामाजिक परिषद</u>**

इस मैं पहले 18 सदश्य थे किन्तु अब इनकी संख्या 54 हो गई है। इन सदस्यों को 3 वर्ष की अवधि के लिए महासभा चुनती है ।

<u>कार्य</u> - सभी राष्ट्रों के बीच सामाजिक आर्थिक संस्तृतिक, शिक्षा एवं स्वास्थ सम्बन्धी मामलों का अध्ययन करना व रिपोर्ट तैयार करना।

4. **<u>न्यासी परिषद</u>** - सयुक्त राष्ट्र चार्टर में कहा गया है कि सयुक्त राष्ट्र संघ अंतरास्ट्रीय न्यासी व्यवस्था की स्थापना करेगी न्यासी व्यवस्था में निम्न क्षेत्र आएंगे -

(i) जो क्षेत्र इस समय संरक्षण व्यवस्था में है।

(ii) वे क्षेत्र जो दूसरे महायुद्ध में शत्रु राज्यों से छीन लिए गए थे ।

(iii) प्रसाशन के लिए उत्तरदायी राज्यों द्वारा स्वैछिक ढंग से इस व्यवस्था को समर्पित क्षेत्र ।

<u>कार्य</u> - महासभा तथा उसकी सत्ता के अधीन न्यासी परिसद के निम्न कार्य होंगे-

(i) प्रशासनिक अधिकारी की प्रेषित रिपोर्ट पर विचार करना।

(ii) न्यासी क्षेत्र में आने वाली याचिकाओं पर विचार करना।

(iii) सम्बंधित प्रासनिक अधिकारी के सहमति से निश्चित समय पर न्यासी क्षेत्रों का दौरा करना।

(iv) न्यासी समझोते के अनुकूल अन्य कदम उठाना।

धीरे धीरे अनेक न्यासी क्षेत्र स्वतंत्र हो गए या किसी स्वतंत्र राज्य में शामिल हो गए। टेंगानिका तंजानिया गणतंत्र हो गए दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका जिसे दक्षिण अफ्रीका ने अपना प्रान्त रखा था वह स्वतन्त्र होकर नामीबिया हो गया। वर्तमान मैं यह अंग 1 नवम्बर 1994 से स्थगित है इसका कार्य पलाउ के स्वतंत्र होने के बाद समाप्त हो गया।

5. **<u>अंतरास्ट्रीय न्यायालय</u>** - इसकी स्थापना 3 अप्रैल 1946 को की गए थी यह सयुक्त राष्ट्र संघ का विभिन्न अंग है यह अंग विश्व के देशों के बीच विवादों का निर्णय अंतरास्ट्रीय कानूनों के अनुसार करता है इसके न्यायाधीशों की नियुक्ति महासभा द्वारा कई जाती है इसका मुख्यालय निदरलेंड हेग मैं है। इस न्यायालय मैं 15 जज है जो 9 वर्षों के लिए चुने जाते है न्यायालय मैं गणपूर्ति अर्थात बैठक में काम से काम 9 जजों की उपस्थिति जरुरी है निर्णय बहुमत से लिए जाते है।

6. **<u>सचिवालय व महासचिव</u>** - इसका अध्यक्ष महासचिव होता है इसका मुख्यालय मैनहटट्न द्वीप न्यू यार्क अमेरिका में है यह 17 एकड़ जमीन पर बना है यह कार्यालय 39 मंजिला है महासचिव के अधीन १० हजार कर्मचारी कार्यरत है ।

<u>कार्य</u>

(i) अपने विशाल सचिवालय पर नियंत्रण रखना तथा सयुक्त राष्ट्र संघ के संचालन को बनाये रखना।

(ii) महासभा व् सुरक्षा परिषद की बैठके बुलाना तथा उसके निर्णयों को लागू करना।

(iii) शांति स्थापना के लिए सेनाओं का गठन करना तथा उनका निरीक्षण, नियंत्रण व निर्देशन करना।

(iv) सयुक्त राष्ट्र की व्यवस्था को सुधरने या उसकी स्थिति को अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपनी योजना व सुझाव प्रस्तुत करना।

(v) शांति स्थापना कि लिए सेनाओं का गठन करना तथा उनका निरीक्षण करना, नियंत्रण व निर्देशन करना।

(vi) सयुंक्त राष्ट्र की व्यवस्था को सुधारने या उसकी स्थिती को अधिक प्रभावी बनाने कि लिए अपनी योजना व सुझाव प्रस्तुत करना ।

<u>सयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव -</u>

1. ट्रिग्वेली - नार्वे (1945 -53)
2. डेग हैमर सोल्ड - स्वीडन (1953 -61)
3. यूथांट (वर्मा म्यांमार) – 1961-71
4. कुर्थ वाल्डहेम - ऑस्ट्रिया (1972 – 1981)
5. जे पी दी कुयार - पेरू (1982 1991)
6. डॉ बुतरस बुतरस घाली - मिश्र (1992 -96)
7. कॉफी अनानं - घाना (1997- 2006)
8. बान की मून - दक्षिण कोरिया (2007 – 16)
9. वर्तमान मैं अंतिनिओ गुतरेज (पुर्तगाल) 01 जनुअरी 2017 से

<u>सयुक्त राष्ट्र संघ को नोडल एजेंसी</u> - इनमें कुछ प्रमुख निम्नवत है

1. **<u>अंतरास्ट्रीय श्रम संघटन (ILO)</u>** - 1919 मैं इसकी स्थापना हुई थी इसका मुख्यालय जेनेवा स्विट्जरलैंड मैं है उस समय इसे राष्ट्र संघ से जोड़ दिया गया था लेकिन 1946 मैं यह सयुक्त राष्ट्र संघ का विशिष्ट अभिकरण बन गया इस संघ का उद्देश्य विश्व के देशों मैं श्रमिकों की दशाएं सुधारना, उत्पादक रोजगार को बढ़ावा देना तथा सामाजिक न्याय के विचार को स्वीकार करना है ।

2. **<u>अंतरास्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)</u>** - इसकी स्थापना में हुई लेकिन यह सयुक्त राष्ट्र संघ का विशेषीकृत अभिकरण बन गे इसका मुख्यालय अमेरिका की राजधानी वासिंगटन डी. सी. मैं है इसका उद्देश्य अंतरास्ट्रीय स्तर पर मुद्रा सम्बन्धी समस्याओं का समाधान करना है ताकि उनका भुगतान संतुलन बना रहे यदि किसी देश की वित्तीय स्थिति डावाडोल होती है तो यह उन्हें अपनी शर्तों पर ऋण देता है । इसका मुख्य उद्देश्य यही है कि अंतरास्ट्रीय व्यापार का विस्तार एवं संतुलित विकास हो ।

3. **<u>विश्व बैंक (World bank)</u>** - इसकी स्थापना 1946 में हुई लेकिन अगले वर्ष यह सयुक्त राष्ट्र संघ का विशेषीकृत अभिकरण बन गया । यह बैंक देशों को वित्तीय सहायता व ऋण देता है तथा उनके रचनात्मक विकास के लिए तकनीकी सहायता भी देता है । इसका मुख्यालय वासिंगटन डी. सी. मैं है।

4. **<u>विश्व व्यापार संघठन</u>** - 1947 गेट (GATT) की रचना हुई जिसे 1 जनवरी 1995 को विश्व व्यापार संघठन में बदल दिया गया । इसका मुख्यालय जेनेवा में है इसके सदस्य 148 है ।

<u>कार्य –</u>

(i) अपने व्यापारिक समझौतों को लागू करना।

(ii) व्यापार सम्बन्धी बातचीत कि लिए मंच कि रूप में कार्य करना ।

(iii) व्यापार सम्बन्धी नीतिओं पर नजर रखना।

(iv) विकेशशील देशों को तकनीकी सहायता व प्रशिक्षण प्रदान करना।

5. **<u>अंतरष्ट्रीय अणुशक्ति अभिकरण</u>** - इसकी स्थापना 1957 में हुई थी इसका मुख्यालय वियाना में है। इसका उद्देश्य परमाणु शक्ति के रचनात्मक प्रयोग को संभव बनाना है।

यदि कोई देश किसी परमाणु शक्ति संपन्न देश से ऊर्जा या तकनीकी सहायता प्राप्त करता है तो इस अभिकरण के वैज्ञानिक वहां निरीक्षण करके अपनी रिपोर्ट देते है कि क्या परमाणु ऊर्जा व तकनीकी का रचनात्मक या उत्पादक शांतिपूर्वक प्रयोजनों के लिए उपयोग हुआ या नहीं ?

उपरोक्त के अलावा अन्य प्रमुख एजेंसियां –

1. मानवाधिकार के लिए –

   (i) एमनेस्टी इंटर नेशनल

   (ii) ह्यूमन राइट्स वॉच

2. **यूनेस्को** - संयुक्त राष्ट्र शक्षणिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन यह UNO की सबसे महत्वपूर्ण संस्था है 1945 में मित्रराष्ट्रों के शिक्षा मंत्रियों का एक सम्मलेन लन्दन में हुआ, वही इस संस्थान का गठन करने का प्रस्ताव पारित किया गया,इसका प्रधान कार्यालय पेरिस (फ्रांस) में है इस समय इसके सदस्यों की संख्या 80 से अधिक है इस संस्था में एक सामान्य सम्मलेन होता है जिसमें समस्त सदस्य देशों के एक एक प्रतिनिधि भाग लेते हैं।

कार्य –

(i) ग्रामीण क्षेत्रों में प्रौढ़शिक्षा का प्रचार प्रसार करना ।

(ii) विभिन्न देशों के वैज्ञानिकों के बीच संपर्क और संबंधों की स्थापना करना ।

(iii) संस्कृति के प्रसार में सहयोग देना।

(iv) विज्ञानं का विकास करना ।

3. **अंतराष्ट्रीय बाल आपात कालीन कोष** - विश्व के सभी बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा द्वारा 11 दिसंबर 1946 में स्थापना की गयी इसका प्रधान कार्यालय न्यूयार्क (अमेरिका) में है। यह संस्था आर्थिक एवं सामाजिक परिषद की देखरेख में कार्य करती है।

मुख्य कार्य

(i) बाल कल्याण हेतु सहायता करना ।

(ii) मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना करना।

(iii) शिशु आहार की व्यवस्था करना।

(iv) प्राकृतिक प्रकोप के समय माताओं व शिशुओं की सहायता करना।

सयुक्त राष्ट्र सम्बन्धी प्रमुख तथ्य

1. संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रथम अस्थाई अध्यक्ष (कार्यवाहक) श्री ग्लैडविन जेब थे (अक्टूबर 1945 से फरवरी 1946 तक) ।

2. संयुक्त राष्ट्र संघ कार्यालय हेतु भूमिदान करने वाले जोंन डी रॉकफेलर थे ।

3. यह 17 एकर में फैला है तथा 39 मंजिला है।

4. सयुंक्त राष्ट्र की 6 प्रमुख भाषायें हैं इनमें अंग्रेजी ,फ्रेंच,चीनी ,अरबी, रूसी हैं, अंग्रेजी और फ्रेंच कार्यकारी भाषायें हैं।

5. संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत के राजदूत या प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन हैं।

6. भारत संयुक्त राष्ट्र संघ में 30 अक्टूबर 1945.में सामिल हुआ था।

7. संयुक्त राष्ट्र संघ की शांति सेना में सबसे ज्यादा योगदान भारतीय सैनिकों का है।

8. संयुक्त राष्ट्र संघ आर्थिक सहायता देने में प्रथम स्थान पर अमेरिका है।

9. सयुक्त राष्ट्र से जुड़ने वाला प्रथम संगठन अंतराष्ट्रीय श्रम संगठन है ।

10. सयुक्त राष्ट्र महासभा की प्रथम महिला अध्यक्ष श्रीमती विजय लक्ष्मी पंडित हैं।

पाठ से सम्बंधित प्रश्न –

1. संयुक्त राष्ट्र के वर्तमान महासचिव कौन हैं ?
2. संयुक्त राष्ट्र की स्थापना कब हुई थी ?
3. सुरक्षा परिषद में भारत को स्थान क्यों देना चाहिए समुचित उत्तर दीजिये?